

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया



राष्ट्रीय सेवा योजना



लक्ष्य और उद्देश्य

राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों की सामाजिक चेतना को जागृत करना और उन्हें निम्नानुसार अवसर उपलब्ध करवाना है।

1. लोगों के साथ मिलकर कार्य करना।
2. स्वयं को सृजनात्मक और रचनात्मक सामाजिक कार्यों में प्रवृत्त करना।
3. स्वयं तथा समुदाय की ज्ञान वृद्धि करना।
4. समस्याओं को कुछ न कुछ हल करने में स्वयं की प्रतिभा का व्यावहारिक उपयोग करना।
5. प्रजातांत्रिक नेतृत्व को क्रियान्वित करने में दक्षता प्राप्त करना।
6. स्वयं को रोजगार के योग्य बनाने के लिए कार्यक्रम विकास में दक्षता प्राप्त करना।
7. शिक्षित और अशिक्षितों के बीच की दूरी को मिटाना।
8. समुदाय के कमजोर वर्ग की सेवा के लिए स्वयं में इच्छाएँ जागृत करना।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमों का स्वरूप

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत दो प्रकार के कार्यक्रमों का संचालन होता हैA

१- सामान्य कार्यक्रम ।

२- विशेष शिविर कार्यक्रम।

१- सामान्य कार्यक्रम

सामान्य कार्यक्रम के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना में पंजीकृत प्रत्येक विद्यार्थी को स्वयं सेवक के रूप में एक वर्ष में कम से कम १२० घण्टे का समाज सेवा कार्य करना पड़ता है और दो वर्ष की अवधि में अर्थात् २४० घण्टे का समाज सेवा कार्य पूरा करने पर उसे विश्वविद्यालय/महाविद्यालय से प्रमाण पत्र दिया जाता है।

२- विशेष शिविर कार्यक्रम

राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रत्येक इकाई द्वारा वर्ष में एक दस दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर विश्वविद्यालय महाविद्यालय के निकट किसी ग्राम में लगाया जाता है। विशेष शिविर में शिविर अनुभव भी अपना एक विशेष महत्व रखता है। इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागी शिविर जीवन का आनन्द लेते हैं। एक अच्छे नागरिक के कर्तव्य अनुभव करते हैं एवं समाज के लिए वे क्या सेवा कर सकते हैं इसका ज्ञान प्राप्त करते हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना के लाभ

राष्ट्रीय सेवा योजना छात्र/छात्राओं को सृजनात्मक एवं रचनात्मक कार्यों के प्रति प्रेरित कर समाज सेवा का अवसर प्रदान करती है और उनके व्यक्तित्व को निखारने एवं भविष्य में उन्हें कर्तव्यनिष्ठ, संवेदनशील तथा उपयोगी नागरिक के रूप में संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राष्ट्रीय सेवा योजना से प्राप्त प्रमाण.पत्र स्वयं सेवकों के अच्छे भविष्य के निर्माण में सहायक हैं। छात्र शासकीय तथा गैर शासकीय सेवाओं में इन प्रमाण.पत्रों का प्रयोग कर सकते हैं। उच्चतर कक्षाओं के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के समय राष्ट्रीय सेवा योजना प्रमाण.पत्र धारक छात्रों को अतिरिक्त बोनस अंक भी दिये जाते हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजनान्तर्गत संचालित गतिविधियाँ

राष्ट्रीय सेवा योजना की विभिन्न इकाईयों द्वारा स्थानीय आवश्यकताओं स्त्रोतों और कुशल व्यक्तियों को देखते हुए विविध प्रकार के कार्यक्रम अभिग्रहित क्षेत्रों में लिए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थीगण अन्य क्षेत्रों में भी सेवा कार्य के लिए स्वतंत्र होंगे। राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित गतिविधियाँ हो सकती हैं।

१- शिक्षा एवं मनोरंजन इसके अन्तर्गत साक्षरता, स्कूली शिक्षा पाठशाला छोड़ने वाले बच्चों की शिक्षा बालगृहों में कार्यशाला प्रवेश कार्यक्रम सांस्कृतिक गतिविधियाँ ग्रामीण एवं देशी खेलकूद सामाजिक बुराईयों के उन्मूलन पर चर्चाएँ एवं जागरूकता के कार्यक्रमों का आयोजन मुख्य है।

२- आपातकाल के कार्यक्रम विद्यार्थियों को प्रमुख रूप से लोगों को उनकी असहायता पर काबू पाने योग्य बनाने के लिए उनके साथ मिलकर कार्य करने सम्बन्धी कार्यक्रमों पर जोर देना चाहिए। इसके अलावा प्राकृतिक विपदाओं जैसे भूकम्प बाढ़ तूफान आदि के आने पर सहायता और पुर्वास कार्यों में स्थानीय लोगों अधिकारियों संस्थाओं को सहयोग देना प्रमुख हैं।

३- पर्यावरण संवर्धन एवं परिक्षण ऐतिहासिक स्मारकों पुरावशेषों व अन्य सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण एवं उनके प्रति चेतना पैदा करना पर्यावरण के प्रति समाज में चेतना जागृत करना वृक्षारोपण उनका बचाव और अनुरक्षण स्वच्छता के लिए सड़कों गलियों नालियों तालाबों पोखरों कुओं आदि की सफाई भूमि क्षरण की रोकथाम तथा भूमि सुधार गोबर गैस संयंत्र सौर ऊर्जा के प्रयोग का प्रचार करना।

४- स्वास्थ्य परिवार कल्याण और आहार पोषण कार्यक्रम टिकाकरण रक्तदान स्वास्थ्य शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य की देखभाल जनसंख्या शिक्षा और परिवार कल्याण रोगियों अनार्थों वृद्धों की सहायता स्वच्छ पेयजल के प्रदाय की व्यवस्था एकीकृत बाल विकास तथा पौष्टिक आहार कार्यक्रमों का संचालन।

५- महिलाओं के स्तर सुधार के कार्यक्रम महिलाओं की शिक्षा तथा उन्हें अपने संवैधानिक और कानूनी अधिकारों के प्रति सचेत करना उनके सशक्तीकरण के उपाय सुझाना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने हेतु विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण आदि कार्यक्रम संचालित करना।

६- उत्पादनोन्मुखी कार्यक्रम उन्नत कृषि के तरीकों की जानकारी कीट व खरपतवार नियंत्रण भूमि परिक्षण एवं उपजाऊपन की देखभाल कृषि यंत्रों की देखभाल सहकारी समितियों के सुदृढीकरण और उनके प्रोत्साहन के लिए फार्म पशु पालन कुक्कुट पालन पशु स्वास्थ्य के बारे में सहायता एवं मार्गदर्शन कृषि तकनीकों के प्रयोग के प्रति जागरूकता पैदा करना आदि।

७- अन्य गतिविधियाँ जो स्थानीय आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं के आधार पर की जाएँ।

Dr. Saheb Dubey

Programme Coordinator

National Service Scheme(NSS),

Jannayak Chandrashekhar University

Ballia-277301 (U.P.)

Telephone/ Mobile : +91-9452081115

E-mail : nssjncu@gmail.com, dubey4045@gmail.com

NSS Aim

The overall aim of National Service Scheme as envisaged earlier, is to give an extension dimension to the higher education system and orient the student youth to community service while they are studying in educational institution. The reason for the formulation of this objective is the general realisation that the college and +2 level students have a tendency to get alienated from the village /slum masses which constitute the majority of the population of the country. The educated youth who are expected to take the reins of administration in future are found to be unaware of the problems of the village/slum community and in certain cases are indifferent towards their needs and problems. There it is necessary to arouse the social conscience of the students, and to provide them an opportunity to work with the people in the villages and slums. It is felt that their interaction with the common villagers and slum dwellers will expose them to the realities of life and bring about a change in their social perception.

NSS Objectives

The broad objectives of NSS are to :

- ◆ Understand the community in which they work.
- ◆ Understand themselves in relation to their community.
- ◆ Identify the needs and problems of the community and involve them in problem solving process.
- ◆ Develop among themselves a sense of social and civic responsibility.
- ◆ Utilise their knowledge in finding practical solution to individual and community problems.
- ◆ Develop competence required for group-living and sharing of responsibilities.
- ◆ Gain skills in mobilising community participation.
- ◆ Acquire leadership qualities and democratic attitude.
- ◆ Develop capacity to meet emergencies and natural disasters.
- ◆ Practice national integration and social harmony.

NSS Motto

The motto or watchword of the National Service Scheme is 'NOT ME BUT YOU'. This reflects the essence of democratic living and upholds the need for selfless service and appreciation of the other person's point of view and also to show consideration for fellow human beings. It underlines that the welfare of an individual is ultimately dependent on the welfare of society on the whole. Therefore, it should be the aim of the, NSS to demonstrate this motto in its day-to-day programme.

NSS Symbol

The symbol of the National Service Scheme, as appearing on the cover page of this Manual is based on the 'Rath' wheel of the Konark Sun Temple situated in Orissa. These gaint wheels of the sun Temple portray the cycle of creation, preservation and release, and signify the movement in life across time and space. The design of the symbol, a simplified form of the Sun-chariot wheel primarily depicts movement. The wheel signifies the progressive cycle of life. It stands for continuity as well as change and implies the continuous striving of NSS for social transformation and upliftment.

NSS Badge

The NSS symbol is embossed on the NSS Badge. The NSS volunteers wear it while undertaking any programme of community services. The Konark wheel in the symbol has eight bars which represent the 24 hours of the day. Hence the badge reminds the wearer to be in readiness for service of the nation round the clock i.e. for 24 hours. The red color in the badge indicates that the NSS volunteers are full of blood i.e. lively, active energetic and full of high spirit. The navy blue color indicates the cosmos of which the NSS is a tiny part, ready to contribute its share for the welfare of the mankind.

NSS Day

NSS was formally launched on 24th September, 1969, the birth centenary year of the father of the Nation. Therefore, 24 September is celebrated every year as NSS Day with appropriate programmes and activities.

NSS Song

During Silver Jubilee Year the NSS theme song has been composed. All NSS volunteers are expected to learn the theme song and sing the song during NSS programmes and celebrations. Theme song cassette is available and the theme song is given in the end of the Manual.